

08 07
12

कोण मय पजावली केय हुये नही
 एवं नही गन्तिल क गुण विवर) व्यापक
 में कार-वार आवाण लडावने
 से नावपुद मायें इ १०० वरि लरु
 नही लगे नही गन्तिल से से कोर
 उपस्थित नही हुका गुणवाड गुणक
 हादरी एवं पंखी में खारिप हो
 पुका है गुणवाड का निरवस्था है
 जौने प्रोपत्र 212 हा मय
 का कोर कोनियेन नही रखा है

का, प्रोपत्र 212 हा मय नही
 कार्यावाही होय नही है पजावली
 फौमल गुणवाड होकर राके स्थिर से
 काम नही जावे) निरवस्था गुणवाड है

